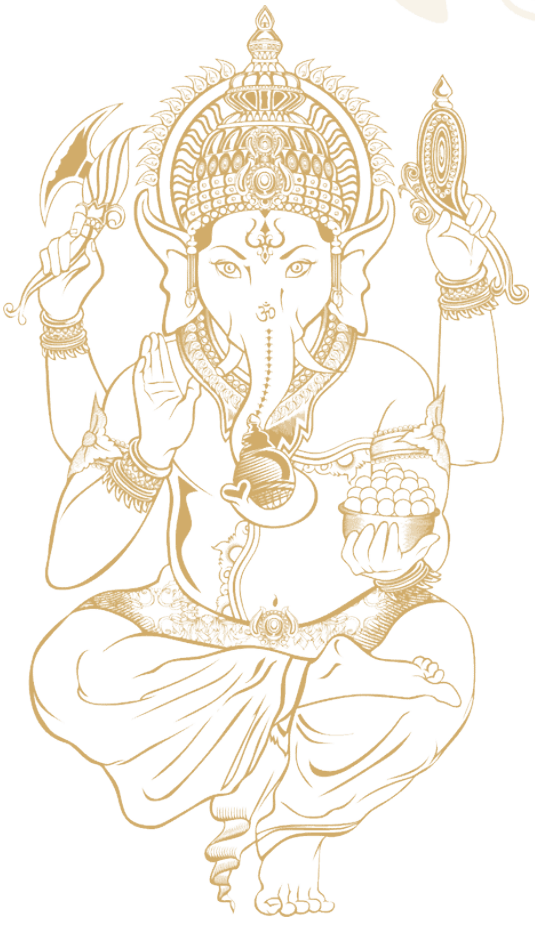

Adarsh Chaturvedi

Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121731912

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/02/1995	जन्म तिथि	7-08/12/1995
सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 16:45:00	जन्म समय	00:35:00 घंटे
घटी 23:53:37	जन्म समय(घटी)	43:59:53 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Jamshedpur
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	22:47:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	86:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:33	सूर्योदय	06:12:46
18:33:33	सूर्यास्त	17:00:08
23:47:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 9मा 25दि	29:47:11	मिथु	लग्न	कन्या	04:50:37	मंगल 3वर्ष 9मा 18दि
चन्द्र	23:24:23	मक	सूर्य	वृश्चि	21:23:50	गुरु
02/12/2021	11:46:25	मेष	चंद्र	वृष	29:25:33	25/09/2017
02/12/2031	01:20:40	सिंह व	मंगल	धनु	11:40:52	25/09/2033
चन्द्र 02/10/2022	17:49:58	मक व	बुध	वृश्चि	29:27:04	गुरु 14/11/2019
मंगल 03/05/2023	17:21:58	वृश्चि	गुरु	धनु	00:09:59	शनि 27/05/2022
राहु 01/11/2024	08:02:02	धनु	शुक्र	धनु	18:54:13	बुध 01/09/2024
गुरु 03/03/2026	17:53:50	कुंभ	शनि	कुंभ	24:25:15	केतु 08/08/2025
शनि 02/10/2027	15:33:40	तुला व	राहु व	तुला	01:37:28	शुक्र 08/04/2028
बुध 03/03/2029	15:33:40	मेष व	केतु व	मेष	01:37:28	सूर्य 25/01/2029
केतु 02/10/2029	03:48:35	मक	हर्ष	मक	04:17:12	चन्द्र 27/05/2030
शुक्र 03/06/2031	00:08:17	मक	नेप	मक	00:02:32	मंगल 03/05/2031
सूर्य 02/12/2031	06:37:07	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	07:15:55	राहु 25/09/2033

लग्न-चलित

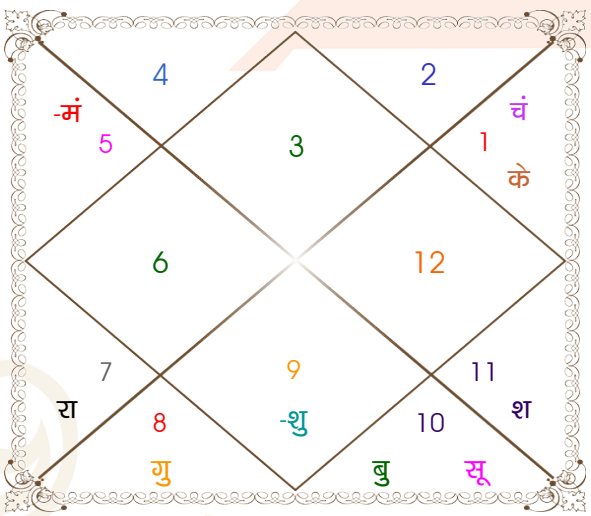

लग्न-चलित

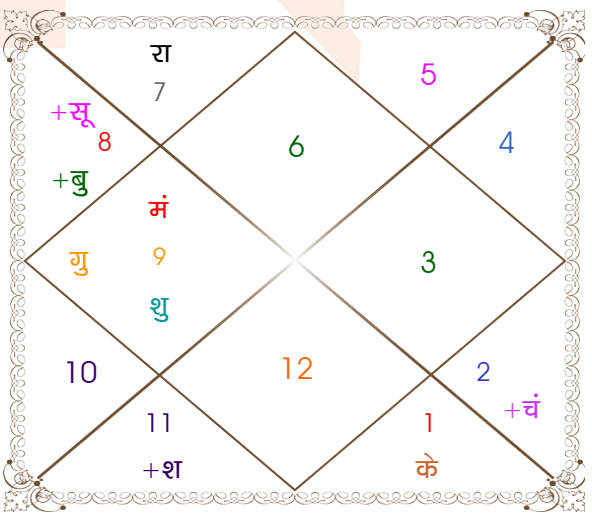

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

।कंतेी बैंजनतअमकप का वर्ग मृग है तथा Soni का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।कंतेी बैंजनतअमकप और Soni का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

।कंतेी बैंजनतअमकप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Soni कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।कंतेी बैंजनतअमकप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।कंतेी बैंजनतअमकप तथा Soni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।